शिखर 1

पाठ 1. वर्ण बोध

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ बच्चों को वर्णों की पहचान कराने की पुनरावृत्ति के लिए है। बच्चे वर्णों को पिछली कक्षा में पढ़ ही चुके हैं तथा उन्हें उनकी पहचान भी भलीभाँति हो गई है। यह पाठ बच्चों को वर्णमाला से पुन: परिचित कराएगा।

अध्यापन संकेत

पाठ में दिए चित्रों के नामों का उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ।। अपने साथ-साथ बच्चों को भी दोहराने को कहें। फिर चित्रों के साथ दिए उनके नामों के रंगीन वर्णों पर ध्यान दिलाते हुए एक-एक कर प्रत्येक बच्चे से शब्द के पहले वर्ण का उच्चारण करवाते हुए वर्ण की पहचान करवाएँ। बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें। प्रत्येक वर्ण से बनने वाले अन्य शब्दों के बारे में बच्चों से पूछें एवं बताएँ। जैसे—अ से अनार होता है, अ से अदरक, अ से अजगर, अचकन आदि भी होता है। इससे रोचकता के साथ-साथ बच्चों का वर्णों तथा उनसे बने शब्दों का सहज ही अभ्यास हो जाएगा। हिंदी की वर्णमाला से बच्चों को परिचित करवाएँ। उन्हें स्वरों, व्यंजनों तथा संयुक्त व्यंजनों का उच्चारण करवाते हुए पुनराभ्यास करवाएँ। उच्चारण के साथ-साथ बच्चों को अपनी-अपनी पुस्तिका में इन वर्णों को लिखने को कहें। इससे उच्चारण और लेखन का अभ्यास एक साथ होता जाएगा। बच्चों द्वारा अं अ: तथा ड़ ढ के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।